भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3119

दिनांक 18 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

उत्पादन दक्षता में सुधार के लिए वित्तीय लेखापरीक्षा

3119. श्री ज्योतिर्मय सिंह महतोः

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत पांच वर्षों के दौरान रघुनाथपुर दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) संयंत्र में कोयले की आपूर्ति, भण्डार की स्थिति और इसकी आपूर्ति से इंकार करने की स्थिति क्या रही है;

(ख) क्या प्रबंधन की कमजोर योजना और अनुबंध प्रबंधन में कमियों के कारण इकाइयों को कई बार बिजली कटौती करनी पड़ी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास ऐसी कोई रिपोर्ट है, जिसमें यह दर्शाया गया है कि रखरखाव में देरी, कलपुर्जे की अनुपलब्धता, खराब वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) प्रबंधन और अपर्याप्त तकनीकी निरीक्षणों के कारण संयंत्र पर भार के कारक (पीएलएफ) लगातार राष्ट्रीय औसत से नीचे बने हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार का उत्पादन दक्षता में सुधार लाने तथा प्रबंधन की कमियों की पहचान करने के लिए कोई तकनीकी तथा वित्तीय लेखापरीक्षा कराने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद नाईक)

(क) एवं (ख) : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) की रघुनाथपुर तापविद्युत परियोजना (आरटीपीपी) में पिछले पाँच वर्षों तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष (अप्रैल से नवंबर) के दौरान कोयला प्राप्ति, कोयला भंडार की स्थिति एवं कोयला अस्वीकृति की स्थिति नीचे दी गई है:

क्रम सं.	**वित्त वर्ष**	**संयंत्र में कोयला प्राप्ति (हजार टन में)**	**वित्तीय वर्ष की 31 मार्च को संयंत्र में कोयले का भंडार (हजार टन में)**	**संयंत्र में कोयला अस्वीकृति**
1	2020-21	3093	203	**शून्य**
2	2021-22	3964	201	
3	2022-23	3745	225	
4	2023-24	4702	485	
5	2024-25	4270	361	
6	2025-26 (अप्रैल से नवंबर)	2963	323*	

*दिनांक 30.11.2025 को कोयला भंडार की स्थिति।

डीवीसी ने इस संयंत्र में कोयले की कमी के कारण किसी कटौती की सूचना नहीं दी है।

(ग) : पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान रघुनाथपुर तापविद्युत परियोजना (आरटीपीपी) का प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) तथा कोयला आधारित तापविद्युत परियोजनाओं (टीपीपी) का राष्ट्रीय औसत पीएलएफ नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	वित्त वर्ष	डीवीसी की रघुनाथपुर टीपीपी का पीएलएफ (%)	डीवीसी की कोयला आधारित टीपीपी का समग्र पीएलएफ (%)	कोयला आधारित टीपीपी का राष्ट्रीय औसत पीएलएफ
1	2020-21	49.71	62.39	54.56
2	2021-22	57.85	68.96	58.76
3	2022-23	53.67	74.22	64.21
4	2023-24	65.98	76.81	69.49
5	2024-25	62.56	75.70	69.95
6	2025-26 (अप्रैल से नवंबर)*	60.91	68.79	63.25

*अनंतिम आंकड़े।

रघुनाथपुर ताप विद्युत परियोजना में पिछले पांच वर्षों के दौरान पीएलएफ की कम प्रतिशतता के कारण निम्नलिखित हैं:

(i) वित्तीय वर्ष 2020-21: कोविड-19 के कारण लागू राष्ट्रीय लॉकडाउन के चलते निर्धारित मांग कम रही।

(ii) वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2024-25: राख संयंत्र से खराब निकासी के साथ-साथ वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक निर्धारित मांग भी कम रही।

(iii) वित्तीय वर्ष 2024-25: मार्च 2024 से जुलाई 2024 तक यूनिट #2 में टरबाइन की रुकावट और कम निर्धारित मांग के कारण पीएलएफ कम रहा।

(iv) वित्तीय वर्ष 2025-26 (नवंबर 2025 तक): सितंबर, 2025 में एचपी सील बैक-अप पंप की सक्शन लाइन में तेल रिसाव की मरम्मत के लिए यूनिट #1 बंद रही, फिर दिनांक 14.10.2025 से 20.11.2025 तक ओवरहालिंग और कंडेंसर की मरम्मत के लिए बंद रही। हालांकि, चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 (नवंबर 2025 तक) में पीएलएफ 60.91% रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 (नवंबर 2024 तक) की इसी अवधि के दौरान 55.45% था।

डीवीसी द्वारा किए गए उपचारात्मक उपाय निम्नवत हैं:

(i) इलेक्ट्रो-स्टैटिक प्रेसिपिटेटर (ईएसपी) हॉपर से फ्लाई ऐश की बेहतर निकासी के लिए, 01 अतिरिक्त फ्लाई ऐश निष्कर्षण (एफएई) टॉवर लगाने संबंधी कार्य आदेश दिया गया है।

(ii) भारतीय वेंडरों के माध्यम से दोनों आरटीपीएस यूनिटों की पूरी ओवरहालिंग की गई है और वर्तमान में पूर्ण लोड पर चल रही है।

(iii) व्यापक रखरखाव कार्य के माध्यम से ऐश हैंडलिंग प्लांट (एएचपी) के प्रदर्शन में सुधार किया गया है।

(घ) : भारत सरकार, दामोदर घाटी निगम अधिनियम, 1948 की धारा 47 के अंतर्गत नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के माध्यम से दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) की वैधानिक लेखा-परीक्षा करती है। इसमें वित्तीय विवरणों में दर्शाई गई राशियों एवं प्रकटीकरणों के पक्ष में उपलब्ध साक्ष्यों की जाँच होती है। इसके साथ-साथ प्रबंधन (डीवीसी) द्वारा अपनाए गए लेखांकन सिद्धांतों तथा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, डीवीसी दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक योजनाओं के माध्यम से कमी वाले क्षेत्रों का समाधान करने के लिए अपने तापविद्युत संयंत्रों की तकनीकी लेखा-परीक्षा भी करता है।

****